भारत-मोरक्को रक्षा उद्योग

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में, **मोरक्को के रबात में आयोजित भारत-मोरक्को** रक्षा उद्योग संगोष्ठी में [रक्षा सहयोग](#) बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें मोरक्को ने अपने देश में भारतीय कंपनियों के लिये **लाभदायक**, **नौकरशाही से पूर्णतः मुक्त परिवेश** का प्रस्ताव किया।

- हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत का कुल [रक्षा निर्यात](#) **वित्त वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपए था** जिसके वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 21,083 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।
  - **मोरक्को** जैसे वैश्विक साझेदारों के साथ रक्षा सहयोग से तकनीकी प्रगति, वर्द्धित निवेश और वैश्विक सहयोग के माध्यम से उत्पादन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।
- **टाटा समूह** द्वारा मोरक्को में भारत का पहला रक्षा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना "[मेक इन इंडिया](#)" पहल को रेखांकित करता है, जो विशेष रूप से WhAP 8x8 ग्राउंड कॉम्बैट व्हीकल जैसी उन्नत प्रणालियों में भारत की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाता है।
- मोरक्को के निवेशक-अनुकूल परिवेश और 90 देशों के साथ [मुक्त व्यापार समझौतों](#) के व्यापक नेटवर्क से भारतीय रक्षा निर्यात के लिये विशेष रूप से अफ्रीका एवं यूरोप में नए बाज़ार स्थापित होंगे।

मोरक्को:

- इसकी सीमा **अल्जीरिया** (पूर्व), **पश्चिमी सहारा** (दक्षिण), [अटलांटिक महासागर](#) (पश्चिम), और [भूमध्य सागर](#) (उत्तर) से लगती है तथा **जिब्राल्टर जलडमरूमध्य** इसे स्पेन से अलग करता है।
  - भारत का मोरक्को से **निर्यात 83.9 मिलियन अमरीकी डॉलर** और आयात **162 मिलियन अमरीकी डॉलर है।**

//

और पढ़ें: [रक्षा निर्यात में भारत की सामरिक अभिवृद्धि](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-morocco-defence-industry